



S. S. Jain Subodh P.G. College, Jaipur

(AUTONOMOUS)

(Affiliated to University of Rajasthan, Jaipur)

SYLLABUS

**(THREE/FOUR YEAR UNDERGRADUATE
PROGRAMME)**

B.A./B.COM./B.SC./B.B.A./B.C.A.

Ability Enhancement Course (AEC)

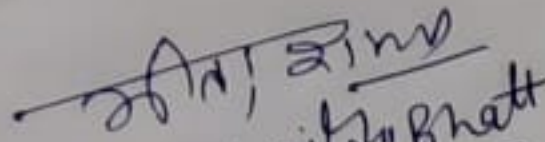
Subject: General Hindi (सामान्य हिन्दी)

अनिवार्य विषय

I & II SEMESTER EXAMINATION

w.e.f. 2025-26


③/२५


Shailendra Bhatt



As per NEP-2020

स्नातक प्रथम सेमेस्टर पाठ्यक्रम
अनिवार्य विषय-सामान्य हिन्दी
बी.ए./बी.कॉम./बी.एससी./बी.बी.ए./बी.सी.ए.

02 क्रेडिट

30 घण्टे/कक्षा

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

प्रश्न पत्र में साहित्य भाग एवं व्याकरण भाग होंगे।

साहित्य भाग 18 अंक का होगा एवं व्याकरण भाग 17 अंक का होगा। जिनका विभाजन निम्न प्रकार से है-

1.	इकाई 1 एवं 2 में से दो व्याख्याएं पूछी जायेंगी (आंतरिक विकल्प देय)	2×4= 8 अंक
2.	इकाई 1 एवं 2 में से दो प्रश्न पूछे जायेंगे (आंतरिक विकल्प देय)	2×5 = 10 अंक
3.	इकाई 3 एवं 4 व्याकरण भाग (आंतरिक विकल्प देय)	17 अंक
सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि - 3 घण्टे, 01 क्रेडिट-25 अंक, 02 क्रेडिट×25=50 अंक		35 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन - 15 अंक		
अधिकतम अंक - 50 अंक		
न्यूनतम उत्तीर्ण अंक - 20 अंक		

उद्देश्य (Objective) :-

1. अनिवार्य हिन्दी को पढ़ाने का उद्देश्य है विद्यार्थियों में साहित्यिक अभिरुचि उत्पन्न करना। उनमें भाषागत सम्प्रेषण स्थापित करना एवं विषय की समस्त विधाओं से परिचित कराना।
2. विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों को विकसित करना। कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध आदि में आए विभिन्न पात्रों के चरित्र से मानवीय दृष्टि स्थापित करना, उनका मूल्यांकन करना, मनोवैज्ञानिक स्थितियों का अध्ययन करना।
3. विद्यार्थियों को आदर्श एवं यथार्थ का बोध कराना।
4. विद्यार्थियों में मौखिक एवं लिखित कौशल विकसित करना।
5. व्याकरण की विभिन्न इकाइयों का बोध कराना।
6. विद्यार्थियों को साहित्य की विधाओं से परिचित कराना।

अधिगम प्रतिफल (Learning Outcome) :-

1. सामान्य हिन्दी (अनिवार्य हिन्दी) को पढ़ाने का प्रतिफल यह है कि हिन्दी भाषा में सम्प्रेषण कौशल बढ़ता है, विषय की जानकारी प्राप्त कर विद्यार्थी इस क्षेत्र में भविष्य निर्माण कर पायेगा।
2. विद्यार्थी व्याकरण की विभिन्न इकाइयों का ज्ञान प्राप्त कर पायेगा एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में हिन्दी साहित्य और व्याकरण से सम्बन्धित प्रश्नों का उत्तर दे सकेगा।

इकाई - 1- गद्य भाग

7 घण्टे/कक्षा

1. एक दुराशा - बाल मुकुन्द गुप्त - (व्यंग्य विनोद)
2. शिरीष के फूल - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी - (ललित निबंध)
3. हरी-हरी दूब और लाचार क्रोध - कुबेरनाथ राय- (ललित निबंध)
4. इंस्पेक्टर मातादीन चांद पर - हरिशंकर परसाई (व्यंग्य)
5. ब्रह्माण्ड को टटोलता सुपर जीनियस - दिनेश रावत (वैज्ञानिक निबंध)

इकाई -2-पद्य भाग

10 घण्टे/कक्षा

1. मैथिलीशरण गुप्त - भू लोक का गौरव
2. सुमित्रानन्दन पंत- बापू, प्रथम रश्मि
3. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला - जागो फिर एक बार, तोड़ती पत्थर
4. रामधारी सिंह दिनकर - हिमालय के प्रति, बुद्धदेव (बौधिसत्त्व)
5. हरिवंशराय बच्चन- पथ की पहचान, लहरों में निमन्त्रण

इकाई -3-व्याकरण भाग

7 घण्टे/कक्षा

1. निबंध (शब्द सीमा-400) 05 अंक
2. पल्लवन 03 अंक

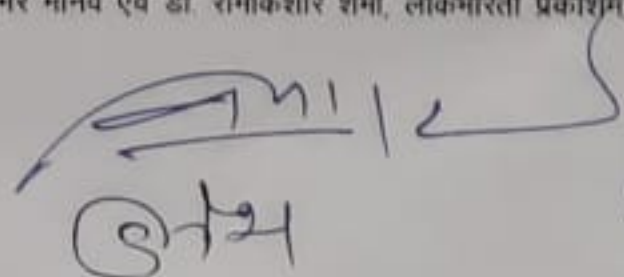
इकाई-4 - व्याकरण भाग

6 घण्टे/कक्षा

1. व्याकरण (उपसर्ग, प्रत्यय, पर्यायवाची, विलोम शब्द, युग्म शब्द, वाक्य के लिये एक शब्द) 05 अंक
2. शब्द एवं वाक्य शुद्धि 04 अंक

संदर्भ ग्रंथ :-

1. हिन्दी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरु।
2. हिन्दी भाषा ज्ञान : डॉ. हरिचरण शर्मा, राजस्थान प्रकाशन, जयपुर।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : स. डॉ. नगेन्द्र एवं डॉ. हरदयाल, मयूर पैपर बैक्स, नई दिल्ली।
4. आधुनिक कवि : विश्वम्भर मानव एवं डॉ. रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।


Shailen Bratt

स्नातक द्वितीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम
अनिवार्य विषय-सामान्य हिन्दी
बी.ए./बी.कॉम./बी.एससी./बी.बी.ए./बी.सी.ए.

02 क्रेडिट

30 घण्टे/कक्षा

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

प्रश्न पत्र में साहित्य भाग एवं व्याकरण भाग होंगे।

साहित्य भाग 18 अंक का होगा एवं व्याकरण भाग 17 अंक का होगा। जिनका विभाजन निम्न प्रकार से है-

1. इकाई 1 एवं 2 में से दो व्याख्याएं पूछी जायेंगी (आंतरिक विकल्प देय)	2×4= 8 अंक
2. इकाई 1 एवं 2 में से दो प्रश्न पूछे जायेंगे (आंतरिक विकल्प देय)	2×5 = 10 अंक
3. इकाई 3 एवं 4 व्याकरण भाग (आंतरिक विकल्प देय)	17 अंक
सेमेस्टर परीक्षा की समय अवधि - 3 घण्टे, 01 क्रेडिट-25 अंक, 02 क्रेडिट×25=50 अंक	35 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन - 15 अंक	
अधिकतम अंक - 50 अंक	
न्यूनतम उत्तीर्ण अंक - 20 अंक	

उद्देश्य (Objective) :-

1. अनिवार्य हिन्दी को पढ़ाने का उद्देश्य है विद्यार्थियों में साहित्यिक अभिरुचि उत्पन्न करना। उनमें भाषागत सम्प्रेषण स्थापित करना एवं विषय की समस्त विधाओं से परिचित कराना।
2. विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों को विकसित करना। कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध आदि में आए विभिन्न पात्रों के चरित्र से मानवीय दृष्टि स्थापित करना, उनका मूल्यांकन करना, मनोवैज्ञानिक स्थितियों का अध्ययन करना।
3. विद्यार्थियों को आदर्श एवं यथार्थ का बोध कराना।
4. विद्यार्थियों में मौखिक एवं लिखित कौशल विकसित करना।
5. व्याकरण की विभिन्न इकाइयों का बोध कराना।
6. विद्यार्थियों को साहित्य की विधाओं से परिचित कराना।

अधिगम प्रतिफल (Learning Outcome) :-

1. सामान्य हिन्दी (अनिवार्य हिन्दी) को पढ़ाने का प्रतिफल यह है कि हिन्दी भाषा में सम्प्रेषण कौशल बढ़ता है, विषय की जानकारी प्राप्त कर विद्यार्थी इस क्षेत्र में भविष्य निर्माण कर पायेगा।
2. विद्यार्थी व्याकरण की विभिन्न इकाइयों का ज्ञान प्राप्त कर पायेगा एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में हिन्दी साहित्य और व्याकरण से सम्बन्धित प्रश्नों का उत्तर दे सकेगा।

इकाई- 1- गद्य भाग

7 घण्टे/कक्षा

1. सिस्तर का वास्ते - महादेवी वर्मा- (रेखाचित्र)
2. उजाले के मुसाहिब - विजयदान देथा (कहानी)
3. मैं और मैं - कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर (रिपोर्टाज)
4. महाराजपुर से ग्वारीघाट (जबलपुर) - अमृतलाल वेगड़ (यात्रा वृत्तान्त)
5. बलवान से मिडंत - महात्मा गांधी (आत्मकथा)

इकाई- 2- पद्य भाग

10 घण्टे/कक्षा

1. केदारनाथ अग्रवाल - मैंने उसको देखा, यह घरती है उस किसान की
2. सुमद्रा कुमारी चौहान- झांसी की रानी, प्रभु तुम मेरे मन की जानो
3. भवानी प्रसाद मिश्र - गीतफरोश, सतपुड़ा के जंगल
4. नागार्जुन - कालिदास के प्रति, प्रेत का बयान
5. ताराप्रकाश जोशी - आ रे आ बादल, प्राणों में यदि पाहुन हो

इकाई- 3- व्याकरण भाग

7 घण्टे/कक्षा

1. संक्षेपण
2. पत्र लेखन
3. मुहावरे एवं लोकोक्ति

इकाई- 4- व्याकरण भाग

6 घण्टे/कक्षा

1. पारिभाषिक शब्दावली : (केवल प्रशासनिक शब्दावली)
2. आत्म-वृत्त (बायोडेटा) लेखन

संदर्भ ग्रंथ :-

1. हिन्दी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरू।
2. हिन्दी भाषा ज्ञान : डॉ. हरिवरण शर्मा, राजस्थान प्रकाशन, जयपुर।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : स. डॉ. नगेन्द्र एवं डॉ. हरदयाल, मयूर पेपर बैक्स, नई दिल्ली।
4. आधुनिक कवि : विश्वम्भर मानव एवं डॉ. रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

(Signature)
02/2

(Signature)
Shaila Mitt

(Signature)